Prices of Vegetables

3243. SHRI NILOTPAL BASU: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) the changes in the retail prices in the open market of potato, onion, brin-jal, ginger, palak; and

(b) the response of Government and the measures contemplated in terms of rectifying the situation?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI SOMPAL): (a) There is generally an upward trend in the prices of potato, onion, brinjal, ginger and palak. A statement indicating changes in retail prices of these items io Delhi is enclosed *(See* below). The rise in prices is due to increased demand and lower supply attributable partly to lower production (particularly Onion & Potato) on account of unfavourable weather conditions like untimely heavy rains and high temperature and partly owing to transportation difficulties (like ginger from North-East).

(b) In order to alleviate the difficulties faced by the consumers in respect of vegetables in Delhi, the Government has initiated action to supply onions through Public Distribution Agencies at a subsidised rate of Rs. 10/- per kg. The NAFED has been directed to procure onion from Gujarat, Rajasthan and Haryana and to make it available to the public distribution agencies like Kendriya Bhandar, Super Bazar, NCCF and to the agencies of Food and Civil Supplies Department of NCT of Delhi from 14.7.1998. The Food & Civil Supplies, Department of Government of NCT of Delhi has already taken action to distribute potato and onion procured from the wholesale market, at the rate of Rs. 7 per kg. for potato and Rs. 10 per kg. for onion.

statement

Retail Prices of Main Vegetable in Delhi Market from March to June, 1998

(Rs. per quintal)

Commodity	March	April	May	June
Potato	568	769	807	988
Onion	1002	630	661	868
Brinjal	2051	1266	1537	1973
Ginger	—	2724	3365	3641

कृषि विज्ञान केन्द्रों की स्थापना किया जाना

3244. **चौधरी हरमोहन सिंह यादव**: क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार 250 से अधिक जिलों में कृषि विज्ञान केन्द्र स्थापित करने का विचार रखती है;

(ख) यदि हां, तो आज की तिथि के अनुसार किन-किन क्षेत्रों में उक्त केन्द्र स्थापित किये जा चुके हैं; और

(ग) अन्य जिलों में ये केन्द्र स्थापित न किये जाने के क्या कारण हैं?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोमपाल): (क) और (ख) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पहले ही 255 जिलों में 261 कृषि विज्ञान केन्द्र (कृ.वि.के.) स्थापित कर चुकी है (राज्यवार ब्यौरा विवरण-1 में संलग्न है) (नीचे दिखिए)

नौवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान परिषद का राष्ट्रीय कृषि प्रौद्योगिकी प्रायोजना (एन ए टी पी) के तहत विश्व बैंक से सहायता प्राप्त कृषि केन्द्र के अतिरिक्त कार्यों को शुरु करने के लिए 53 क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केन्द्रों को सुदृढ़ करने का प्रस्ताव है विवरण 2 (नीचे देखिए)

(ग) शेष जिलों में नये कृषि विज्ञान केन्द्रों की स्थापना नौवीं योजना के दौरान अतिरिक्त वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर करेगी?

विवरण-1

भारत के विभिन्न राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों में जिलों का विवरण

क्रम सं.	राज्य/संघ शासित क्षेत्र राज्य	कृ.वि.के. सहित जिले (कृ.वि.के. की संख्या)
1.	आंध्र प्रदेश	15 (16)
2.	अरुणाचल प्रदेश	01 (01)
3.	असम	04 (04)
4.	बिहार	21 (21)
5.	गोवा	01 (01)
6.	गुजरात	10 (10)
7.	हरियाणा	12 (12)
8.	हिमाचल प्रदेश	08 (08)
9.	जम्मू एवं कश्मीर	04 (04)
10.	कर्नाटक	10 (11)
11.	केरल	09 (09)
12.	मध्य प्रदेश	20 (20)
13.	महाराष्ट्र	22 (23)
14.	मणिपुर	01 (01)
15.	मेघालय	01 (01)
16.	मिजोरम	02 (02)
17.	नागालैंड	01 (01)
18.	उड़ीसा	12 (12)
19.	पंजाब	9 (10)
20.	राजस्थान	30 (31)
21.	सिक्किम	01 (01)
22.	तामिलनाडु	16 (16)
23.	त्रिपुरा	02 (02)
24.	उत्तर प्रदेश	30 (30)
25.	प. बंगाल	8 (9)
	कुल	250 256

सैध शासित क्षेत्र

1.	अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह	01	(01)
2.	दिल्ली	01	(01)
3.	लक्षद्वीप	01	(01)
4.	पांडिचेरी	02	(02)
	कुल योग	255	261

स्त्रोतः भारत 1996 संदर्भ वार्षिक, प्रकाशन प्रभाग, सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार (मई, 1997)

विवरण-2

कृषि विज्ञान केन्द्रों (कृ.वि.के.) के कार्यकरण हेतु क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों को सुदृढ़ करने के लिए पता लगाये गये जिले

चरण-1

क्र. से.	राज्य	कृ.वि.के. के बिना जिलों की संख्या	पता लगाये गये जिलों की संख्या	विश्वविद्यालय का नाम	जिले	उत्पादन प्रणाली
1	2	3	4	5	6	7
1.	आन्ध्र प्रदेश	8	1	ए एन जी आर यु हैदराबाद	1.ल्लोर	कृषि बागवानी तथा मछली एवं पशुधन (तटीय)
2.	असम	18	1	ए ए यू जोरहट	2. नवगांव (शिलोगंनी)	कृषि बागवानी तथा पशुधन (पहाड़ी तता पर्वत)

क्र. से.	राज्य	कृ.वि.के. के बिना जिलों की संख्या		पता लगाये गये जिलों की संख्या	विश्वविद्यालय का नाम	जिले	उत्पादन प्रणाली
1	2	3		4	5	6	7
3.	बिहार	31	1	आर ए यू, पूसा	3. रोहतास (बिकरागंज)	चावल, गेहूं (सिंचित) कृषि योग्य खेती (बारानी)	
4.	गुजरात	9	1	जी ए यू	4.जूनागढ़	कृषि योग्य खेती, पशु उत्पादन(बारानी)	
5.	हरियाणा	4	1	एच ए यू, हिसार	5. सिरसा	कृषि योग्य खेती, (बारानी) पशुधन (बारानीय)	
6.	हिमाचल प्रदेश	3	1	एच पी के	6. लोहोल (कुमकुमसेरी) स्पीति में टाबी)	कृषि बागवानी, पशु उत्पादन (पहाड़ी तथा पर्वत)	
7.	जम्मू एवं कश्मीर	10	1	एस के यू तथा एटी	7. कारगिल	-वही-	
8.	कर्नाटक	10	2	यू ए एस, बंगलौर	6. शिमोंगा	कृषि योग्य खेती, पशु उत्पादन (आर एफ)	
9.	मध्य प्रदेश	25	1	जे एल के वी वी, जबलपुर	10. मुरेना	कृषि योग्य खेती (आर एफ) चावल-गेंहू (सिंचित, पशु उत्पादन (बारानी)	
10.	महाराष्ट्र	9	3	पी.के.वी., अकोला के के वी, डपोली एम ए यू, परभनी	11. यवतमाल	कृषि योग्य खेती, पशु उत्पादन कृषि वानिकी (आर एफ)	
					12. रायगढ़ रोहा (कारजात)	कृष योग्य खेती, पशु उत्पादन कृषि वानिकी (आर एफ)	
					13. उसमानाबाद (तुलजापु)	कृषि योग्य खेती, पशु उत्पादन (आर एफ)	
11.	उड़ीसा	16	1	ओयूएटी, भुवनेश्वर	14. भदराक	कृषि योग्य खेती (आर एफ) पशुधन उत्पादन (आर एफ)	
12.	पंजाब	5	1	पीएयू., लुधियाणा	15. रोपड़	चावल-गेहूं (सिंचित मछली पालन (सिंचित)	
13.	राजस्थान	1	1	आरएयू बीकानेर	16. श्रीगंगानगर	कपास आधारित खेती (सिंचित) कृषि योग्य खेती (बारानी)	
14.	तमिलनाडु	7	1	टीएनएयू, कोयम्बटूर	17. कन्याकुमारी	कृषि बागवानी तता मछली एवं पशुधन (तटीय)	
15.	अत्तर प्रदेश	36	2	जीबीपीयूएटी, एनडीयूए तथा टी, फैजाबाद	19. गोरखपुर	चावल-गेहूं (सिंचित) कृषि योग्य खेती (आर एफ)	
16.	पश्चिमी बंगाल	9	1	बीसीकेवीवी, महोनपुर	20. कूचबिहार	कृषि योग्य केती, पशुधन उत्पादन (आर एफ)	

कृषि विज्ञान केन्द्रें (के.वि.के.) के कार्यकरण हेतु क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों को सुदृढ़ करने के लिए पता लगाये गये जिले

चरण-II

क्रम सं.	राज्य	के.वि.के. के बगैर जिलों की संख्या	पहचाने गये जिलों की संख्या	विश्वविद्यालच का नाम	जिले	उत्पादन प्रणाली
1	2	3	4	5	6	7
1.	आन्ध्र प्रदेश	8	2	एन.ए.जी.आर. ए.यू. हैदराबाद	1.प्रकाशन 2.अदिलाबाद	कृषि वावानी (तटवर्ती) कृषि योग्य, खेती पशुधन अत्पादन (आर.एफ.)
2.	असम	18	4	ए.ए.यू. जोरहट	3.लखिमपुर 4.करबी अंगलोग(दीप्पू) 5.करीमगंज 6. गोलपाड़ा	कृषि योग्य खेती) (आर. एफ)ः कृषि वानिकी (आर.एफ.) कृषि बागवानी (पहाड़ी पर्वत) पशुधन उत्पादन (पहाड़ी और पर्वत)
3.	बिहार	31	2	वी.ए.यू. रांची (यमुको) आर.ए.यू.पूसा	7.संथाल परगना (डुम्का) 8.भागलपुर(सवौर)	कृषि योग्य, खेती(आर. एफ.) चावल गेहूं (सिंचित)
4.	गुजरात	9	2	जी.ए.यू.	9. सूरत(व्यारा) 10. राजकोट(तरघडिया)	कृषि योग्य खेती पशुधन उत्पादन (आर.एफ.) कृषि वानिकी (आर.एफ.)
5.	हरियाणा	4	2	एच.ए.यू. हिसार	11.रोहतक 12.महेन्द्रगढ़	गन्ने पर आधारित, कृषि योग्य खेती, पशुधन उत्पादन (आर.एफ.)
6.	हिमाचल प्रदेश	3	2	एच.पी.के.वी.वी. पालमपुर	31.विलासपुर 32.कंडाघाट	कृषि बागवानी (पहाड़ी एवं पर्वपत)
7.	जम्मू एवं कश्मीर	10	1	एस.के.यू. एवं ए.टी.	13.राजौरी	कृषि बागवानी, पशुधन उत्पादन (पहाड़ी एवं पर्वत)
8.	कर्नाटक	10	5	यू.ए.एस. बंगलौर यू.ए.एस. धारबाड़	14.बंगलौर (ग्रामीण) (हेसारघट्टा) 15. तमकुर 16. उट्टार 17.मंड्या 18.चित्रदुर्गा	कृषि बागवानी, पशुधन उत्पादन(पहाड़ी एवं पर्वत) कृषि योग्य खेती, कृषि वानिकी गोपशु फार्मिंग (आर.एफ.) मत्स्य एवं गोपशु (तटीय) कृषि बागवानी (तटीय) गन्ने पर आधारित (सिंचाई) कृषि योग्य खेती, कृषि वानिकी पशु उत्पादन (आर.एफ.)
9.	केरल	5	1	के.ए.यू.	33.कोट्टायम	कृषि बागवानी एवं मछली उत्पादन
10.	मध्य प्रदेश	26	4	ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर	19.होसंगाबाद (पावरखेड़ा) 20.प.निमार(खारगांव) 21.सागर	कृषि योग्य खेती(बारानी) गोपशु फार्मिक (आर.एफ.) चावल-गेहुं (सिचाई)

-वही-

11.	महाराष्ट्र	9	1	पी.के.वी. अकोला	22.चन्द्रपुर (सिंघवाही)	कृषि योग्य खेती (आर.एफ.) कृषि वानिकी (आर.एफ.) पशु उत्पादन (आर.एफ.)
12.	उड़ीसा	18	1	ओ.यू.ए.टी. भुवनेश्वर	23.नवरंगपुर	कृषि योग्य खेती (आर.एफ.) गोपशु उत्पादन (आर.एफ.)
13.	तमिलनाडु	7	1	त.ना.कृ.वि. कोयम्बटूर	24.पुडुकोटाई 25.रामानन्द	कृषि योग्य खेती(आर. एफ.) गोपशु उत्पादन (आर. एफ.)
14.	उत्तर प्रदेश	36	5	जी.बी.पी.यू.ए.टी .पंतनगर	26.देवरिया	चावल-गेहूं (सिंचित) डेयरी फार्मिंग (सिंचित)
				सी.एस.ए.यू. ए. एवं टी.कानपुर	27. मैनपुरी 28. माहोबाद(बेलताल) 29.कानपुर-देहात(दलीपनगर) 30. आजमगढ़	चावल-गेहूं (सिंचित) डेयरी फार्मिंग(सिंचित)
				एन.डी.यू.ए. एवं टी.फैजाबाद		चावल-गेहूं (सिंचित)

Challenges Posed by Agriculture Sector

3245. SHRI NARENDRA MOHAN: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) how Government propose to meet the challenges posed in the agriculture sector by declining agricultural growth rate, shrinking per-capita availability of cultivable land, increasing the cost of production coupled with increase in population; and

(b) how the basic infrastructure like irrigation, electricity, rural credit, market development etc. is proposed to be created so that agricultural grcjwth rate is continuously increased and we do not have to resort to import of foodgrains at times'?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI SOMPAL): (a) A regionally differentiated strategy based on broad regional characteristics of agro-economic situation will be persued during the Ninth Five Year Plan. This strategy will give due emphasis on the adequate and timely availability of inputs such as credit, fertilisers and seeds, upgradation of skills of small and marginal farmers and accelerated research efforts covering biotechnology, microbiology, and genetic improvement of crops including hybrid technology.

(b) Adequate incentives and facilities would be provided by which private sector participation is encouraged for infrastructure investments/development.